



खबर संक्षेप

वाहन चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। लाइनपार थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक अजय के अनुसार, शिकायतकर्ता हिमांशु निवासी इंदिरा कॉलोनी लाइनपार ने शिकायत दी थी कि वह अपनी टेक्सो को रेलवे रोड स्थित सेंट्रल पार्क के सामने खड़ी कर बहन के घर गया था। लौटते पर गाड़ी मौके से गायब मिली। इस पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मट्टी गेट के चौगाना माता मंदिर में मंडारा आज

झज्जर। शहर के मट्टी गेट स्थित चौगाना माता मंदिर में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। युवा समाज समिति द्वारा किए जा रहे इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजक समिति सदस्य राजेश सैनी, बादल, संदीप चंदा आदि ने बताया कि सुबह हवन कार्यक्रम के उपरांत प्रातः करीब ग्यारह बजे से भंडारे की शुरुआत की जाएगी। इससे पूर्व रात्रि सत्संग के दौरान गायक कलाकारों द्वारा मां की महिमा का गुणगान भी किया जाएगा।

अपराध पर अंकुश लगाए पुलिस

बहादुरगढ़। पुलिस कमिश्नर डॉ राजश्री से उनके कार्यालय में मुलाकात कर भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद जसवीर सैनी ने अपराध पर अंकुश लगाने की मांग की। उनके अनुसार बहादुरगढ़ के पार्कों में शराब पीने, जगह-जगह नशा बेचने, सड़क छिलाने, देह व्यापार करने जैसी गलत गतिविधियों पर रोक लगाने का अनुरोध किया।

एजेसी संचालक को धमकी देने पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर एजेसी संचालक को धमकी देने का मामला सामने आया है। मामला एक महीने पुराना है लेकिन सीएम को शिकायत देने और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद केस दर्ज हो पाया है।

मकबरों में मिले महिला के शव की शिनाख्त

झज्जर। शुक्रवार की शाम शहर के शहीदी पार्क के नजदीक प्राचीन मकबरों में मिले महिला के शव शिनाख्त हो गई है। मृतका की पहचान युपी के बलिया जिले के तमपपुरा निवासी सुष्मा के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुष्मा फिलहाल निकटवर्ती लाल सिंह कॉलोनी में रहती थी। वह शराब की आदी थी। कयास लगाए जा रहे हैं अधिक मात्रा का शराब का सेवन करने के कारण सुष्मा की मौत हुई है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल पुलिस द्वारा परिजनों के बयान पर इतिहासिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कैरम बोर्ड प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिया एकाग्रता व खेल कौशल का परिचय

झज्जर। संस्कार पब्लिक स्कूल पाटौदा में शनिवार को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन कर विद्यार्थियों को अंतर सदनीय गतिविधियों से अवगत कराया गया। स्कूल प्रशासन द्वारा साल भर होने वाली विभिन्न गतिविधियों का पूरा विवरण साझा किया गया, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार कला, साहित्य और खेलकूद के क्षेत्रों में तैयारी कर सकें। इसी के चलते विद्यालय में नौवीं व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच कैरम बोर्ड प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी एकाग्रता और बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया। संस्कार ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने खेल क्षेत्र में जाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और उनकी खेल भावना को सराहना की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सफलता के साथ-साथ इन गतिविधियों में भाग लेना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य है।

झज्जर। कैरम बोर्ड प्रतियोगिता में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

लापरवाही के कारण बढ़ रहे हादसे

गर्मी में नहर-तालाब में लगाई डुबकी ले सकती है जान

जान गंवाने के बावजूद नहीं सीख रहे सबक

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़

गर्मी से निजात पाने को नहर-तालाब में नहाने के लिए छलांग लगाना जानलेवा साबित हो सकता है। अतीत में भी अनेक युवक नहर में डूबने से अपनी जान गंवा चुके हैं। जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिलाधीश स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत जिले की सभी नहरों में नहाने, कूदने और छलांग लगाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा-223 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

बता दें कि बहादुरगढ़-बादली से गुजरने वाली एनसीआर वॉटर चैनल से लेकर अन्य नहरों में लोग लगातार डूबकर अपनी जान गंवा रहे हैं। तालाबों में कई बार बच्चे डूब कर असमय काल का ग्रास बन चुके हैं। बादली क्षेत्र के गांव देवरखाना के पास से गुजर रही गुरुग्राम माइजर में 16 अप्रैल को डूबने से उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी 17 वर्षीय शिवा की मौत हो गई। गांव मांडोठी में 13 अप्रैल को जोहड़ में डूबने से 11 वर्षीय बालक यश की मौत हो गई। गांव दरियापुर में 12 मार्च को नहर में डूबने से 15 वर्षीय देवांशु की मौत हो गई थी। रोहड़ इलाके में 4 मार्च की शाम दोस्तों के साथ एनसीआर नहर पर नहाने गए 20 वर्षीय बिहार निवासी चंदन की मौत हो गई थी।



बहादुरगढ़। गर्मी के कारण नहर में नहाते बच्चों का फाड़ल फोटो।

एनसीआर नहर में डूबने से लगातार हो रही मौतें

बीते साल 25 जुलाई को रोहड़ गांव में रहने वाला सुनील अपनी मांजियों रविनी और उर्मि के साथ एनसीआर नहर पर कपड़े धोने के लिए गया था। कपड़े धोते वक्त उसकी मांजियों का पैर फिसल गया और वो नहर में गिर गई। मांजियों को बचाते हुए मामा सुनील भी नहर में कूद पड़ा और तोंगों की डूबने से मौत हो गई। डाबोदा कला गांव में 27 सितंबर 2025 को 42 वर्षीय युपी मूल के कुष्ण को जोहड़ में डूबने से मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस का 32 वर्षीय सिपाही राजेश 22 अप्रैल 2025 को कुहरेड़ा के निकट एनसीआर वॉटर चैनल में डूबकर मर गया।

ये मौतें हुई डूबने से

एनसीआर वॉटर चैनल में ही 7 फरवरी 2022 को मृति विसर्जन के लिए गए गौरव, दिलकुश और शैलेश निवासी छोटराम नगर की मौत हो गई थी। बादलों में दिल्ली निवासी तीन सिविल इंजीनियर 20 मई 2020 को एनसीआर माइजर नहर में डूब गए थे। इनकी पहचान प्रदीप निवासी नजफगढ़, आशीष भारद्वाज निवासी उत्तम नगर व एसएम मुसलीम निवासी गंगलाई के रूप में हुई थी। जबकि जून-2020 में झारका निवासी 23 वर्षीय सलीम भी एनसीआर में डूबकर मर गया था। तीन साल पहले 20 सितंबर को गांव माण्डोड़ा में तालाब पर नहाने गए 18 वर्षीय रोहन व 19 वर्षीय अमन की मौत हो गई थी। जबकि जुलाई-2016 में मांडोठी गांव का 16 वर्षीय बाल पहलवान हर्ष तालाब में डूबकर असमय काल का ग्रास बन गया था। पांच साल पहले आसोदा टोटरन गांव में 7 वर्षीय बच्ची तनुजा की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी।

नहर में नहाना नहीं है सुरक्षित

गर्मी शुरू होते ही प्रति वषट नहरों-जलधरो में डूबकी लगाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। जगह-जगह युवा नहरों व जलधरो में नहाते हुए नजर आते हैं। गर्मी से राहत पाने का यह आसान तरीका तो कहा जा सकता है, लेकिन यह तरीका सुरक्षित बिलकुल भी नहीं है। बेशक प्रशासन द्वारा नहरों में नहाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन इन आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। नहरों में लगातार हादसे हो चुके हैं। जिनमें बच्चों के अलावा अन्य लोग भी अपनी जान गंवा चुके हैं। नहर पर नहाने के लिए बच्चों व युवाओं की भीड़ अक्सर जुटी रहती है। लेकिन इन हादसे होने के बाद भी लोग खूब नहीं ले रहे हैं। अभिभावकों का इस ओर ध्यान नहीं देना भी हादसों का कारण बनता है।

भीषण गर्मी के बीच कुछ मिनट हुई बूढ़ाबांदी

बहादुरगढ़। गर्मी तेजी के साथ चरम पर पहुंच रही है। दिनों-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया। आगामी दिनों में तापमान और बढ़ेगा। हालांकि शनिवार की दोपहर कुछ मिनट के लिए बूढ़ाबांदी जस्ट्र हुई लेकिन गर्मी से राहत दिलाने में यह नाकामी रही।

स्व-गणना को लेकर लोगों में उत्साह, 30 अप्रैल तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ॥ झज्जर

जिले में स्व-गणना प्रक्रिया को लेकर आमजन में उत्साह देखने को मिल रहा है। नागरिक निरंतर सरकार की इस डिजिटल पहल से जुड़ते हुए अपनी जनगणना संबंधी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर रहे हैं। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि यह प्रक्रिया आगामी 30 अप्रैल तक जारी रहेगी, जिसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल सी.सीईएनएसयूएस.जी.ओ.वी.इन पर अपनी जनगणना संबंधी जानकारी स्वयं माध्यम से घर बैठे

अपनी जानकारी भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना के बाद 1 मई से 30 मई तक जिले में घर-घर जाकर मकान

सूचीकरण और सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान गणनाकर्मी नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी का मिलान करेंगे। उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रपत्र में लगभग 33 प्रश्न शामिल किए गए हैं, जिनमें परिवार के सदस्यों का विवरण, मकान का प्रकार, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति से संबंधित जानकारी ली जाएगी।



अपनी जानकारी भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना के बाद 1 मई से 30 मई तक जिले में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण और सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान गणनाकर्मी नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी का मिलान करेंगे। उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रपत्र में लगभग 33 प्रश्न शामिल किए गए हैं, जिनमें परिवार के सदस्यों का विवरण, मकान का प्रकार, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति से संबंधित जानकारी ली जाएगी।

मकान में घुसकर मारपीट की और धमकी दी

बहादुरगढ़। गांव खरमाण में मकान में घुसकर युवक से मारपीट करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। हमले की वजह स्पष्ट नहीं है। गांव के ही कुछ लोगों पर आरोप है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात संदीप के साथ हुई है। संदीप का कहना है कि रात करीब आठ बजे वह अपने घर पर था। इसी दौरान कुछ लोग आए। एक व्यक्ति ने लाठी से वार किया। इसके बाद सभी ने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर लोग इकट्ठे हुए तो बीच बचाव हुआ। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। बाद में मुझे अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस अस्पताल में पहुंची और घायल के बयान लिए। बयान के आधार पर पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ मारपीट, धमकी देने सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। हमले की वजह स्पष्ट नहीं है। आरोपों की सच्चाई जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।

मांडोठी हत्याकांड: महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी अमित को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जबकि महिला आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मांडोठी चौकी प्रभारी सुनील कुमार के अनुसार, शिकायतकर्ता पूर्ण ने बताया था कि उसका भाई कुष्ण महावीर के घर के बाहर घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया। रास्ते में कुष्ण ने हमें बताया कि अमित और उसके परिजनों ने उस पर डंडों से हमला किया है। बाद में रोहतक पीजीआई में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में थाना आसोदा में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अमित और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला आरोपी से वारदात में इस्तेमाल डंडा भी बरामद किया गया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से महिला को न्यायिक हिरासत और अमित को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमडीयू की टीम ने किया राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ का निरीक्षण



झज्जर। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय स्टाफ के साथ उपस्थित टीम सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ॥ झज्जर

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से आई निरीक्षण टीम द्वारा राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम में प्रोफेसर डॉक्टर प्रमोद भारद्वाज, प्रोफेसर रेनु आर्य एवं प्रोफेसर फूल कुमार सिंह शामिल रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि भूगोल विभाग के स्नातकोत्तर कोर्स द्वितीय वर्ष के

अंतर्गत आयोजित इस निरीक्षण के दौरान टीम ने महाविद्यालय की लाइब्रेरी, भूगोल प्रयोगशाला तथा अन्य संबंधित विभागीय कार्यों का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं सतर्पणजनक पाई गईं। टीम द्वारा आगामी कार्यों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। इस मौके भूगोल विभागाध्यक्ष ओमवीर, पवन कुमार, प्रदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

छात्रों को दिए स्ट्रेस मैनेजमेंट और एग्जाम फोबिया से उबरने के टिप्स

एग्जाम फोबिया से बचने के लिए विद्यार्थियों को दी व्यायाम व भरपूर नींद लेने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ॥ झज्जर

इंडो अमेरिकन स्कूल में विद्यार्थियों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्ट्रेस मैनेजमेंट और एग्जाम फोबिया विषय पर एक प्रभावशाली सेमिनार का आयोजन किया गया। विशेष रूप से बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव कम करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम साइकोलॉजिस्ट काजल शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा तनाव के कारणों, प्रतिस्पर्धा, असफलता का डर, अभिभावकों की अपेक्षाएं और समय प्रबंधन की



झज्जर। सेमिनार में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता।

कमी बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन के लिए संतुलित दिनचर्या, उचित समय प्रबंधन, पर्याप्त नींद, नियमित ब्रेक, ध्यान, डीप ब्रीदिंग और हल्के

व्यायाम अपनाने की सलाह दी। सेमिनार में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने खुलकर अपनी समस्याएं साझा करते हुए विशेषज्ञ से समाधान प्राप्त

किया। विद्यालय निदेशक विजेन्द्र कादियान ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों का मानसिक और भावनात्मक विकास भी जरूरी है।

पीटीएम में भावी अध्यापिकाओं की प्रगति पर की गई चर्चा



बहादुरगढ़। पीटीएम में छात्राओं को लेकर शिक्षकों से चर्चा करते अभिभावक।

हरिभूमि न्यूज ॥ बहादुरगढ़

बनाने के लिए अभिभावकों ने अपने अपने विचार साझा किए। अभिभावक-अध्यापक समिति का पुनर्गठन करते हुए मनदीप को प्रधान, पूनम को उप प्रधान, राजपती को सचिव तथा राजकिशोर व दिलबाग को सदस्य बनाया गया। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। महाविद्यालय के साथ उनका अच्छा तालमेल और समन्वय होना जरूरी है।

बनाने के लिए अभिभावकों ने अपने अपने विचार साझा किए। अभिभावक-अध्यापक समिति का पुनर्गठन करते हुए मनदीप को प्रधान, पूनम को उप प्रधान, राजपती को सचिव तथा राजकिशोर व दिलबाग को सदस्य बनाया गया। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। महाविद्यालय के साथ उनका अच्छा तालमेल और समन्वय होना जरूरी है।

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर इंटीएफएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न
कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छे रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश सिलख को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।



सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

- ▶ उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- ▶ बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- ▶ गोल्ड इंटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना गेहद जरूरी
- ▶ कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ▶ ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ीं

गोल्ड और सिल्वर इंटीएफएफ कीमत से जुड़ा निवेश
अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड इंटीएफएफ और सिल्वर इंटीएफएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करने पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबेयर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "रोफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प
दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

पिछले आंकड़ों पर न जाएं
बाजार में आईसीआईआईआईआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एफबीआई म्यूचुअल फंड और व्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीधीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

समझदारी से करें संतुलन
निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड इंटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगुलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

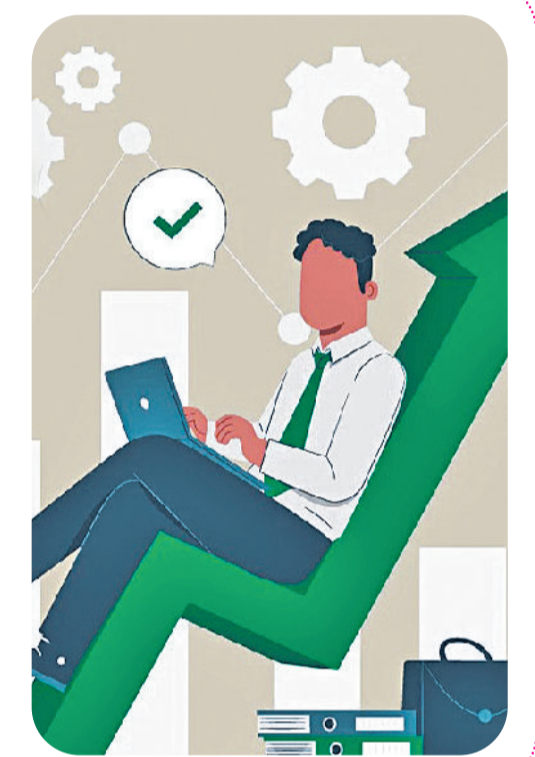
म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

निवेश की कैटेगरी को पहचानें
म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एफएमसी से होती है, जैसे एफबीआई, अक्षम या आईसीआईआईआई प्रूडेंशियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अंशले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

खर्च और मुनाफे का अंतर
फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगुलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगुलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देनी है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

रिटर्न पाने का तरीका चुनें
नाम के आखिरी हिस्से में आपको ग्रोथ या आईडीडब्ल्यूसी लिखा मिलेगा। बता दें कि अगर आप लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं, ग्रोथ ऑप्शन चुनें क्योंकि इसमें मुनाफे पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपको निवेश के बीच-बीच में कुछ कमाई मिलती रहे, तो आईडीडब्ल्यूसी प्लान लिया जा सकता है।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स
म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एफएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्शन पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपकी अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ चिन्ता गरीय निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।



अब आईटीआर में गलती की तो पड़ सकती है भारी

गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

बिजनेस डेस्क
आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी
नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जानबूझकर गलती हो जाती है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क
सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य चूक में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे जितनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा उतनी सख्ती कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंटी की गई हो। यह अंतर इलाफि एट्टीपुर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती ब्यवधि है।

राहत के प्रावधान भी मौजूद
हालांकि सख्ती के बीच सरकार ने कुछ राहत के विकल्प भी दिए हैं। यदि कोई टैक्सपेयर यह साबित कर देता है कि उससे हुई गलती किसी वाजिब कारण से हुई थी, जैसे तकनीकी समस्या या वास्तविक भूल, तो उस पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा, कुछ मामलों में अपील और स्पष्टीकरण के आधार पर भी जुर्माने में राहत मिल सकती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ईमानदार करदाता अनवाश्यक रूप से परेशान न हों।

सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका
इन नए नियमों के बाद यह साफ हो गया है कि आईटीआर भरते समय लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर जानकारी को सही दस्तावेजों के साथ जांचकर ही भरना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि टैक्स फाइलिंग को लेकर किसी भी तरह का संदेह हो, तो पेशेवर सलाह लेना बेहतर है। छोटी सी गलती भी बड़े जुर्माने में बदल सकती है, इसलिए सतर्क रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश
नए पेनल्टी नियम यह संकेत देते हैं कि टैक्स रिस्टम अब ज्यादा पारदर्शी और सख्त हो चुका है। आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश है ईमानदारी से टैक्स भरें या मारें जुर्माने का खतरा है। ऐसे में समझदारी ही हमारी ही है कि जल्दबाजी या लापरवाही से बचते हुए पूरी सावधानी के साथ आईटीआर फाइल किया जाए, क्योंकि अब छोटी गलती भी बड़ी सजा में बदल सकती है।

बिजनेस डेस्क
अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।

ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा
म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10-12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनवाश्यक जटिलता से बचाव होता है।

अलग नाम, लेकिन निवेश वही
जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

इससे दो नुकसान होते हैं
जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्स्पेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर
यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटे हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाएगी। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग

25,000 की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड ही काफी

म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में भीड़ बढ़ाना पड़ सकता है भारी, घट सकता है रिटर्न

बिजनेस डेस्क
अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।



ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा
म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10-12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनवाश्यक जटिलता से बचाव होता है।

अलग नाम, लेकिन निवेश वही
जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

इससे दो नुकसान होते हैं
जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्स्पेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर
यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटे हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाएगी। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग

का प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। लंबे समय में बड़ा कॉम्प बचाने के लिए जरूरी है कि हर फंड में पर्याप्त निवेश हो, ताकि उसका ग्रोथ प्रभावी तरीके से दिखाई दे। अगर यही 25,000 रुपये आप 3 या 4 फंड्स में लगाते हैं, तो हर फंड में 6,000 से 8,000 रुपये तक का निवेश होगा, जिससे रिटर्न बेहतर तरीके से बढ़ सकता है।

ट्रैकिंग और मैनेजमेंट बन जाता है मुश्किल
ज्यादा फंड्स का एक और बड़ा नुकसान है—उन्हें सेक्टर के कठिन हो जाता है। हर फंड का प्रदर्शन अलग होता है। कुछ अच्छे रिटर्न देते हैं, तो कुछ कमजोर प्रदर्शन करते हैं। अगर आपके पास बहुत ही ज्यादा फंड्स हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और किसे बदलने की जरूरत है। इसके अलावा, कमजोर फंड्स आपके पूरे पोर्टफोलियो के रिटर्न को नीचे खींच लेते हैं। इसे "डाइवर्सिफिकेशन" कहा जाता है। यानी अच्छे फंड्स का फायदा भी पूरी तरह नहीं मिल पाता।

आदर्श पोर्टफोलियो कैसा हो
विशेषज्ञों के अनुसार 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड्स का पोर्टफोलियो पर्याप्त होता है। इससे निवेश में संतुलन बना रहता है और जोखिम भी नियंत्रित रहता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो के लिए आप इन कैटेगरी पर विचार कर सकते हैं।

- लार्ज-कैप या इंडेक्स फंड स्थिरता के लिए
- लार्ज एंड मिड-कैप फंड ग्रोथ और स्थिरता का मिश्रण
- मल्टी-कैप या फ्लेक्सि-कैप फंड अलग-अलग मार्केट कैप में निवेश
- इक्विटी हाइब्रिड फंड इक्विटी और डेट का संतुलन
- इंडेक्स-एसेट फंड (टैक्स सेविंग) टैक्स बचत के साथ निवेश
- हर निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय अवधि के अनुसार इन कैटेगरी में 3-5 फंड्स चुन सकता है।

कैसे सुधारें अपना मौजूदा पोर्टफोलियो
अगर आपके पोर्टफोलियो में पहले से ही बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इसे धीरे-धीरे सुधार सकते हैं। सबसे पहले, ओवरलैप चेक करें। इसके लिए कई ऑनलाइन टूल उपलब्ध हैं, जो बताते हैं कि आपके फंड्स में कितनी समानता है। इसके बाद उन फंड्स को पहचानें जो लगातार 2-3 साल से अपने बेंचमार्क से कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे फंड्स को धीरे-धीरे बाहर निकालें। ध्यान रखें कि एक ही कैटेगरी के कई फंड्स रखने से बचें। हर कैटेगरी से एक अच्छा और मरोसेमंद फंड चुनना बेहतर होता है। साथ ही, पोर्टफोलियो में बदलाव एकदम से न करें, बल्कि चरणबद्ध तरीके से करें ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम पड़े।

विविधता का सही मतलब समझें
असली विविधता का मतलब यह नहीं है कि आप ज्यादा से ज्यादा फंड्स खरीद लें। बल्कि इसका मतलब है कि आप अलग-अलग एसेट क्लास और कैटेगरी में निवेश करें। अगर आपने अलग-अलग कैटेगरी के 3-5 फंड्स चुने हैं, तो यह पर्याप्त विविधता देता है। इसके विपरीत, एक ही कैटेगरी के 8-10 फंड्स रखना सिर्फ जटिलता बढ़ाता है। इसलिए निवेश करते समय "कम लेकिन बेहतर" की रणनीति अपनाना ज्यादा समझदारी भरा कदम है।

राह रखें ध्यान
म्यूचुअल फंड निवेश में संख्या नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है। ज्यादा फंड्स रखने से पोर्टफोलियो मजबूत नहीं होता, बल्कि उलझाव बढ़ती है और रिटर्न पर असर पड़ता है। 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 अच्छी तरह चुने गए फंड्स ही पर्याप्त हैं। इससे न केवल कंपाउंडिंग का फायदा बेहतर मिलता है, बल्कि निवेश को समझना और मैनेज करना भी आसान रहता है। अंततः, सफल निवेश वही है जो सरल, संतुलित और आपके लक्ष्यों के अनुरूप हो।

जिले की अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद व उठान प्रक्रिया जारी

एक लाख 64 हजार 821 एमटी गेहूं की हुई खरीद, एक लाख 70 एमटी का हुआ उठान

■ फसल की खरीद के साथ-साथ उसका समय पर उठान और वैज्ञानिक भंडारण सुनिश्चित करना बेहद जरूरी

हरिभूमि न्यूज || झज्जर



झज्जर। अनाज मंडी में उठान कार्य में जुटे श्रमिक।

जिले की अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद व उठान प्रक्रिया जारी है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि फसल की खरीद के साथ-साथ उसका समय पर उठान और वैज्ञानिक भंडारण सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी स्तर पर अत्यवस्था उत्पन्न न हो और किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक दो लाख 31 हजार 638 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज, जबकि एक लाख 64 हजार

821 मीट्रिक टन से अधिक की खरीद व एक लाख 70 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। उन्होंने बताया कि झज्जर अनाज मंडी में 64 हजार 87 मीट्रिक टन, बादली में 16 हजार 729 मीट्रिक टन,

ढाकला में 14 हजार 323 मीट्रिक टन, बेरी में 50 हजार 102 मीट्रिक टन, मातनहेल में 35 हजार 869 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 21 हजार 177 मीट्रिक टन, छारा में 14 हजार 900 मीट्रिक टन,

बहादुरगढ़ में 1 हजार 781 मीट्रिक टन तथा आसौदा में 12 हजार 670 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। वहीं झज्जर मंडी में 42 हजार 116 मीट्रिक टन, बादली में 11 हजार 663 मीट्रिक टन, ढाकला में 11

फोटो: हरिभूमि

हजार 763 मीट्रिक टन, बेरी में 27 हजार 633 मीट्रिक टन, मातनहेल में 30 हजार 46 मीट्रिक टन, माजरा डी में 18 हजार 593 मीट्रिक टन, छारा में नौ हजार 79 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 740 मीट्रिक टन तथा आसौदा में 11 हजार 988 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि झज्जर मंडी में 32 हजार 236 मीट्रिक टन, बादली में पांच हजार 747 मीट्रिक टन, ढाकला में चार हजार 263 मीट्रिक टन, बेरी में 14 हजार 280 मीट्रिक टन, मातनहेल में 22 हजार 686 मीट्रिक टन, माजरा डी में दस हजार 259 मीट्रिक टन, छारा में तीन हजार 990 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 240 मीट्रिक टन तथा आसौदा में पांच हजार 369 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है।

ई-ऑक्शन से अलॉट होगा विज्ञापन टेंडर

बहादुरगढ़। नगर परिषद बहादुरगढ़ सीमा क्षेत्र में विज्ञापन स्थलों के सुव्यवस्थित उपयोग एवं राजस्व वृद्धि के उद्देश्य से 23 यूनिपोल एवं 100 मेट्रो पिलर्स पर विज्ञापन के लिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला नगर आयुक्त अभिनव सिवाच ने बताया कि संबंधित प्रस्ताव कलेक्टर रेट के अनुसार 2 प्रतिशत प्रति वर्ग मीटर प्रतिमाह की दर से 3 वर्ष की अवधि के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश अनुसार आवेदकों द्वारा शनिवार 25 अप्रैल तक ईएमडी राशि जमा करवाई गई है। इसके उपरांत ई-ऑक्शन प्रक्रिया 26 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित की जाएगी।

सीटीएम नोडल अधिकारी नियुक्त

रेवाड़ी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि नगर परिषद रेवाड़ी और नगर पालिका धरूहेड़ा के चुनाव संबंधी शिकायत लघु सचिवालय स्थित एसडीएम रेवाड़ी के कार्यालय के कमरा नंबर-122 में दे सकते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा के आदेशानुसार चुनाव संबंधी शिकायतों के लिए सीटीएम जितेंद्र कुमार को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

कौशिक ने ली शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक



बहादुरगढ़। भाजपा शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक लेते दिनेश कौशिक।

■ दिनेश कौशिक ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज || बहादुरगढ़

कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने स्तर पर सक्रिय रहकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। सभी शक्ति केंद्र प्रमुख अपने क्षेत्रों में बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाएं। पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनें और अपनी सहभागिता के फोटो सरल ऐप पर अपलोड करें। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को भाजपा सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक करें। पात्र लोगों को इनका लाभ दिलाने में सहयोग करें।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने जल संरक्षण की ली शपथ

झज्जर। एलए स्कूल प्रांगण में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या निधि कादिथान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और स्वच्छ जल के उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। स्कूल मैनेजर केएम डागर ने बताया कि कार्यक्रम में शिक्षकों ने बच्चों को जल बचाने के विभिन्न उपायों की जानकारी देते हुए उन्हें जल संरक्षण की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने पोस्टर, नारे और भाषण के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया, याजित गुलिया, भविष्य दहिया ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। इस मौके पर एचओडी रविंद्र, पिंकी, पुष्पा यादव, सपना अहलावत, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।



झज्जर। जल संरक्षण की शपथ लेते हुए विद्यार्थी एवं शिक्षक।



झज्जर। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षकों के साथ उपस्थित शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

लैंगिक संवेदनशीलता पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित झज्जर। एम.आर सीनियर सैकेंडरी स्कूल हसनपुर में शनिवार को विद्यालय में लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकुला के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्या संगीता कोडान ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य प्रशिक्षकों के रूप में के.आर मंगलम स्कूल बहादुरगढ़ से वर्षा तथा आकाश इंटरनेशनल स्कूल बहादुरगढ़ से सीमा सेनी ने सहभागिता की। उन्होंने शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता की अवधारणा, कक्षा में आने वाली चुनौतियों एवं उनके प्रभावी समाधान बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्राचार्या संगीता कोडान ने कार्यक्रम को शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।

मॉडल मेकिंग में निशा, पोस्टर मेकिंग में हिमांशी व रोल मॉडल में पूर्वी रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज || झज्जर

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाकला में समग्र शिक्षा के अंतर्गत हायर एजुकेशन मॉनिटरिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनता कॉलेज चरखी दादरी के भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉक्टर जयवीर सिंह ने रिस्पोर्स पर्सन तथा गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल सरगुदा के प्राचार्य अनिल कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने भारत व विश्व के बड़े-बड़े वैज्ञानिकों की जीवनी, उनके द्वारा किए गए खोज कार्यों तथा उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोणों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों में विज्ञान तथा गणित विषय के प्रति रुचि पैदा करने



झज्जर। होनहार विद्यार्थियों के साथ उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य। फोटो: हरिभूमि

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रतियोगिता परिणामों में मॉडल मेकिंग में निशा ने प्रथम, कशिश ने द्वितीय तथा उमेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में हिमांशी प्रथम, प्रयास द्वितीय और दुखत तृतीय रहे। रोल मॉडल प्रतियोगिता में पूर्वी ने पहल, शयन ने दूसरा और भावना ने तीसरा स्थान हासिल किया। विज्ञान विद्यार्थियों को नकद प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया। प्राचार्य वेद प्रकाश ने विद्यार्थियों को दिज्ञान व गणित में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। का प्रयास किया। इस कार्यक्रम में छठी से बारहवीं कक्षा तक के 106 विद्यार्थियों के लिए मॉडल मेकिंग, पोस्टर मेकिंग और रोल मॉडल प्रतियोगिताएं कराई गईं।

रोहताक-अमृतसर में होगा रॉयल ग्रीन रियल्टी का विस्तार

बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन रियल्टी को गुरुग्राम, बहादुरगढ़ और इंदौर के बाद सोनीपत में भी शानदार रिस्पॉन्स मिला है। सोनीपत काउंटी की सर्वसेस पार्टी के दौरान एमडी यशान्त वासन और डायरेक्टर वरुण मखीजा ने जल्द ही रोहताक, खरखौदा और अमृतसर में अपने नए आवासीय प्रोजेक्ट्स लाने का ऐलान किया। एमडी यशान्त वासन ने बताया कि कुंडली (सोनीपत) में 13.75 एकड़ में फैली सोनीपत काउंटी का पहला फेज सुपरहित रहा है। यहां लज्जरी विला भी लॉन्च कर दिए हैं। रॉयल ग्रीन रियल्टी पिछले 5 वर्षों से रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता, नैतिकता और पर्यावरण संरक्षण को केंद्र में रखकर काम कर रही है। उनका लक्ष्य आधुनिकता के साथ-साथ प्रकृति को जीवंत रखने वाले आवासीय प्रोजेक्ट्स तैयार करना है।



बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन रियल्टी की सफलता पर खुशी का झंझार करते प्रबंधक। फोटो: हरिभूमि

अल्टीमेट इंजीनियर्स वर्किंग प्रोजेक्ट कंपीटिशन में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा



झज्जर। वर्किंग प्रोजेक्टर कंपीटिशन का शुभारंभ करते हुए मुख्यातिथि। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज || झज्जर

सस्टेनेबल प्यूचर : इनोवेशन फॉर सोसाइटी विषय पर 150 से अधिक वर्किंग प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, सौर ऊर्जा, कृषि, सुरक्षा और आधुनिक तकनीक से जुड़े नवाचारों की प्रस्तुति दी। प्रमुख प्रोजेक्ट्स में फ्लोटिंग वेस्ट क्लीनिंग रोबोट, स्मार्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन, मिलिट्री रडार, एडविका ड्रोन, फायर फाइटिंग रोबोट, ट्रांजिक्शन फ्रॉड

डिटेक्शन मॉडल और एआई आधारित ई-बुक प्लेटफॉर्म आदि शामिल रहे। निर्णायक मंडल की भूमिका यूआईईटी, एमडीयू रोहताक के डॉ. दीपक छाबड़ा और डॉ. कमलदीप ने निभाई। मेजर प्रोजेक्ट श्रेणी में अमन प्रजापति को इस्टाग्राम ऑटोमेशन टूल के लिए सम्मानित किया गया। चेरमेन डॉ. सुशील कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित किया।

त्रिवेणी स्कूल में हुई कैलिंग्राफी प्रतियोगिता

बहादुरगढ़। शहर के त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी कैलिंग्राफी प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट लेखन शैली का प्रदर्शन किया। पांच वर्गों में विभाजित प्रतियोगिता में कक्षा पहली-दूसरी के विद्यार्थियों नेमेरा परिवार, तीसरी से 5वीं के विद्यार्थियों ने समय अमूल्य है, छठी से 8वीं के विद्यार्थियों ने पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र हैं तथा मेहनत का फल मीठा होता है विषयों पर प्रभावशाली सुलख लिखे। नौवीं-दसवीं के विद्यार्थियों ने लक्ष्य पर ध्यान दो, सफलता मिलेगी और 11वीं-12वीं के विद्यार्थियों ने सपने वहीं सच होते हैं, जिन्हें पूरा करने की हिम्मत हो विषय पर सुंदर लेख लिखे। स्कूल निदेशक एस. श्याम तथा उप प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सुलख लेखन कला को निखारने के साथ धैर्य, एकाग्रता एवं अनुशासन भी सिखाता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।



बहादुरगढ़। कैलिंग्राफी प्रतियोगिता में भाग लेते त्रिवेणी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

स्वास्थ्य और मानसिक शांति को लेकर विशेष सेमिनार का आयोजन

तन के साथ मन का स्वस्थ होना जरूरी

■ मन में सकारात्मक और अच्छे विचार रखते हैं, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है

■ जितना हमारा मन खुश और शांत रहेगा, उतनी ही जल्दी शरीर की व्याधियां दूर होंगी



बहादुरगढ़। तन-मन को स्वस्थ रखने के तरीके बताते वीके संदीप। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज || बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में स्वास्थ्य और मानसिक शांति को लेकर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

मुख्य वक्ता के रूप में वीके संदीप भाई ने स्टाफ और मरीजों को स्वास्थ्य के आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक पहलु समझाए। ब्रह्माकुमारी बहादुरगढ़ की मुख्य

संचालिका वीके अंजलि दीदी व सेक्टर-2 सेवाकेंद्र की संचालिका वीके विनीता दीदी की प्रेरणा से हुए कार्यक्रम में वीके संदीप ने कहा कि स्वयं की आंतरिक केयर के साथ ही

हम अपने शरीर का सही ध्यान रख सकते हैं। स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर का आधार है। उन्होंने वैज्ञानिक और आध्यात्मिक तथ्यों के साथ समझाया कि मन में चलने

वाले विचारों का परिणाम शरीर पर तुरंत दिखाई देता है। मन में सकारात्मक और अच्छे विचार रखते हैं, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जितना हमारा मन खुश और शांत रहेगा, उतनी ही जल्दी शरीर की व्याधियां दूर होंगी। इस अवसर पर लैफ्टिनेंट कर्नल देवेन्द्र कुमार शर्मा, लैफ्टिनेंट कर्नल प्रणव शंकर, लैफ्टिनेंट कर्नल नरेंद्र कुमार, राजवीर सिंह, संदीप दहिया, मौर सिंह, खेम सिंह, भरपूर, मंजू, सुमन देवी, विंदु, मोतीलाल, विनय व सनी आदि ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को ईश्वरीय सौगात वितरित की गई।

आकर्षक व संदेशपूर्ण पोस्टर बनाए



बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में बनाए पोस्टर दिखाते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। लडरावन स्थित श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों ने आकर्षक और संदेशपूर्ण पोस्टर बनाए। स्कूल चेरमेन अभिषेक छिल्लर ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इन पोस्टरों के माध्यम से वायु प्रदूषण, जल संरक्षण और हरित वातावरण के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। फ्रीडम हाउस में 9वीं के हार्दिक ने प्रथम, 11वीं की छवि ने द्वितीय, 7वीं के पूर्व और 11वीं की गरौमा ने तीसरा, 9वीं के गौरव व हनी वर्मा ने चौथा और 11वीं की आर्यन ने 5वां स्थान प्राप्त किया। पीस हाउस में 12वीं के आशु ने पहला, 8वीं के रौनक ने दूसरा, 7वीं

की सिया ने तीसरा, 9वीं नय्या और पार्थ ने चौथा, 5वीं की परी राणा और 7वीं की दीपांशी ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। इक्विलिटी हाउस में 9वीं की साक्षी व 8वीं की निर्यति ने पहला, 7वीं वंशिका और नायरा ने दूसरा, छठी की नंदिनी और आर्यन जगन ने तीसरा, 5वीं की रिंतिका व 8वीं के शुभम ने चौथा और छठी की प्रिजल व चौथी के हुनर ने 5वां स्थान प्राप्त किया। जस्टिस हाउस में चौथी कक्षा की कनक ने प्रथम, 12वीं की पायल छिकारा ने द्वितीय, 11वीं के दीपांशु ने तृतीय, 7वीं के विशु ने चतुर्थ और 11वीं के निशांत खत्री व छठी की नय्या ने 5वां स्थान प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

गर्ल्स कॉलेज में एलुमनी मीट 2 को बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में शनिवार 2 मई को पूर्व छात्राओं और पूर्व प्राध्यापकों का मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रिंसिपल अलका गुलाटी ने बताया कि पुराने विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद को बढ़ावा देना तथा उनके अनुभवों से वर्तमान छात्राओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम किया जा रहा है। समारोह के दौरान पूर्व छात्राएं अपने अनुभव साझा करेंगी, जिससे छात्राओं को करियर और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन मिल सके।

जेईई में तनुज ने हासिल किए 87 परसेंटाइल झज्जर। केंब्रिज इंटरनेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल भदानी के छात्र तनुज सहवाग ने जेईई में 87 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय निदेशक धर्मेन्द्र जून ने इस सफलता पर हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि तनुज एक मेहनती, अनुशासित एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित विद्यार्थी हैं। उन्होंने तनुज के उज्वल भविष्य की करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उससे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कौशल ने जेईई में हासिल किए 99.7 परसेंटाइल झज्जर। जीएवी पब्लिक स्कूल पाटौदा के छात्र कौशल ने जेईई में 99.7 परसेंटाइल हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है। स्कूल के चेयरमैन अशोक ने इस उपलब्धि का श्रेय कौशल की अथक मेहनत व अध्यापकों के उचित मार्गदर्शन को दिया है।

कैरम बोर्ड प्रतियोगिता में दिया एकाग्रता का परिचय झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल पाटौदा में शनिवार को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन कर विद्यार्थियों को अंतर सदनिय गतिविधियों से अवगत कराया गया। स्कूल प्रशासन द्वारा साल भर होने वाली विभिन्न गतिविधियों का पूरा विवरण साझा किया गया, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार कला, साहित्य और खेलकूद के क्षेत्रों में तैयारी कर सकें। इसी के चलते विद्यालय में नौवीं व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच कैरम बोर्ड प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

आंबेडकर स्कूल में लगा योग कैंप बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित भीमराव आंबेडकर मिडिल स्कूल में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर लगाया। प्राचार्य रामनंद रेग्वा की अध्यक्षता में लगे कैंप में आंबेडकर सभा के प्रधान उमेश सिंह, करतार सिंह, जसबीर सिंह, ललिता, काता देवी, ज्योति, पिकी, पूनम, सुमन, आंचल, अनीता, वंदना, नीलम, शर्मिला व पारुल चौहान समेत सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। योगाचार्य जगदीश कुमार जी ने विद्यार्थियों को अष्टांग योग के अलावा देश-अभित, माता-पिता की सेवा, प्रकृति संरक्षण तथा शिक्षा का महत्त्व समझाया।

आंबेडकर स्कूल में लगा योग कैंप बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित भीमराव आंबेडकर मिडिल स्कूल में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर लगाया। प्राचार्य रामनंद रेग्वा की अध्यक्षता में लगे कैंप में आंबेडकर सभा के प्रधान उमेश सिंह, करतार सिंह, जसबीर सिंह, ललिता, काता देवी, ज्योति, पिकी, पूनम, सुमन, आंचल, अनीता, वंदना, नीलम, शर्मिला व पारुल चौहान समेत सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। योगाचार्य जगदीश कुमार जी ने विद्यार्थियों को अष्टांग योग के अलावा देश-अभित, माता-पिता की सेवा, प्रकृति संरक्षण तथा शिक्षा का महत्त्व समझाया।

आंबेडकर स्कूल में लगा योग कैंप बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित भीमराव आंबेडकर मिडिल स्कूल में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर लगाया। प्राचार्य रामनंद रेग्वा की अध्यक्षता में लगे कैंप में आंबेडकर सभा के प्रधान उमेश सिंह, करतार सिंह, जसबीर सिंह, ललिता, काता देवी, ज्योति, पिकी, पूनम, सुमन, आंचल, अनीता, वंदना, नीलम, शर्मिला व पारुल चौहान समेत सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। योगाचार्य जगदीश कुमार जी ने विद्यार्थियों को अष्टांग योग के अलावा देश-अभित, माता-पिता की सेवा, प्रकृति संरक्षण तथा शिक्षा का महत्त्व समझाया।

हरिभूमि आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर संपर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, गणपति टैक्स के ऊपर, नजदीक टैक्सि स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9263681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 2500/- ₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए फाई टैर लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति टैक्स के ऊपर, 8295852900

ऐलान: 27 व 28 अप्रैल को भी 8-8 घंटे की मूख हड़ताल करेंगे कर्मचारी लंबित मांगों को लेकर सफाई कर्मियों का प्रदर्शन जारी, जमकर नारेबाजी

1 व 2 मई को पूर्ण हड़ताल की जाएगी अगर सुनवाई नहीं हुई तो आगे की रणनीति बनेगी

हरिभूमि न्यूज | झज्जर



झज्जर। आंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मचारी।



बहादुरगढ़। मेन बाजार में प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते सफाईकर्मियों।

विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी है। कर्मचारियों ने शनिवार को भी प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी जमकर नारेबाजी की। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सभी कर्मचारी कर्मचारी शहर के टाउन हॉल परिसर में एकत्रित हुए। इसके बाद वे सरकार विरोधी नारे लगाते हुए आंबेडकर चौक तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे अपनी लंबित मांगों व अग्रिम विभाग के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यूनियन के इकाई प्रधान शिवम ने बताया कि इसके अलावा वे 27 व 28 अप्रैल को भी 8-8 घंटे की कार्मिक भूख हड़ताल करेंगे। यदि समय रहते उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है तो वे आगामी 1 व 2 मई पूर्ण हड़ताल करेंगे। यदि फिर भी उनकी कोई

सुनवाई नहीं होती है तो यह हड़ताल अनिश्चितकालीन हड़ताल में तब्दील की जाएगी। उनकी मुख्य मांगों में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, जब तक पक्के नहीं होते तब तक 30 हजार रुपये न्यूनतम वेतन देना, 400 की आबादी के हिसाब से एक कर्मचारी की नियुक्त करना, शहर की जनसंख्या को देखते हुए नगर परिषद में सफाई कर्मचारियों की भर्ती करना, सेवानिवृत्त पर सफाई कर्मचारी को 10 लाख रुपये की राशि प्रदान करना आदि शामिल हैं। इस दौरान जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, मुकेश जितेंद्र, विकास, गुलाटी, शीतल, कमलेश, बबली, किरण, मनीषा, विनोद, बबिता, सुनीता, विद्या, राजेश, विक्रम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारियों ने किया झाड़ू प्रदर्शन

■ तमाम सफाई कर्मचारी, दमकल विभाग के कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े

हरिभूमि न्यूज | बहादुरगढ़

हड़ताल पर चल रहे अग्रिम कर्मचारियों के समर्थन में लगातार दूसरे दिन शनिवार को सफाई कर्मियों का सड़क पर उतरने का प्रदर्शन जारी है। इस दौरान जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, मुकेश जितेंद्र, विकास, गुलाटी, शीतल, कमलेश, बबली, किरण, मनीषा, विनोद, बबिता, सुनीता, विद्या, राजेश, विक्रम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को मिले मदद

प्रदर्शन की अध्यक्षता इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने की व संचालन सचिव अमित ने किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि गत आठ अप्रैल से दमकल विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। वे हादसे में जान गंवाने वाले अपने दो साथी जवानों को शहीद का दर्जा दिवाने और परिवार को आर्थिक मदद दिवाने की मांग कर रहे हैं। अब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो सकी है। तमाम सफाई कर्मचारी, दमकल विभाग के कर्मचारियों के साथ हैं। अब 27 व 28 अप्रैल को आठ-आठ घंटे की मूख हड़ताल की जाएगी। इसके बाद एक व दो मई को पूर्ण हड़ताल रहेगी।

सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। इकाई उप प्रधान अजय, वरिष्ठ उप प्रधान लीला राम, कैशियर मुकेश बालगुहेर, ऑडिटर सुनील, इंद्रमल, जयभगवान, उषा, नंदराम, पिंकी, सुमन, सुनील, प्रवीण, राजीव आदि मौजूद रहे। जबकि दमकल विभाग से जिला प्रधान नवीन, उपप्रधान पवन, प्रदीप खत्री, सुरेंद्र, धर्मेन्द्र सिंह, तारीफ, मुकेश, संदीप, उपदेश, श्रीभगवान सहित कई कर्मचारी प्रदर्शन में शामिल हुए।



झज्जर। बैठक में उपस्थित अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर के पदाधिकारी।

जिला स्तर पर होगा कार्यकारिणी का मजबूत गठन : राव धर्मपाल

हरिभूमि न्यूज | झज्जर

अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष राव धर्मपाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार यादव व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबू वीर कुमार यादव व जिलाप्रधान वीरेंद्र दरागा ने मुख्य रूप से शिरकत की। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री जगमोहन यादव ने किया। इस दौरान अपने संबोधन में राव धर्मपाल ने कहा कि संगठन की मजबूती टीम से होती है। इसलिए हमें प्रत्येक जिले में टीम का गठन करना होगा। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में नई कार्यकारिणी गठन के निर्देश दिए। बाबू वीर कुमार यादव ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रेवाड़ी युवा जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव, युवा मोर्चा सचिव राजीव यादव राजपुरा, गुरुग्राम के युवा जिलाध्यक्ष प्रभात, हांसी के युवा जिलाध्यक्ष कुलबीर यादव, रेवाड़ी से महिला जिलाध्यक्ष कीर्ति यादव व शादीराम यादव को जिला उपाध्यक्ष रेवाड़ी बनाने की घोषणा की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को महासभा के कार्य और उद्देश्यों बारे विस्तृत जानकारी दी गई और

आगामी जून के पहले पखवाड़े में एक प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की योजना बनाई। इसके अलावा संगठन के विस्तार के लिए प्रदेश में प्रत्येक लोकसभा स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति की गई जिसमें अंबाला लोकसभा के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण यादव, सोनीपत के लिए वीरेंद्र यादव, रोहतक के प्रदेश सचिव सरोज यादव, हिसार के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष शारदा यादव, भिवानी व महेंद्रगढ़ के लिए सरपंच सुरेंद्र पाल, गुरुग्राम के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट दीवान सिंह के, फरीदाबाद के लिए जनरल ओम प्रकाश यादव को, सिरसा के लिए प्रदेश महामंत्री जगमोहन यादव को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

आईआईटी में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज | झज्जर

पेस संस्थान में शनिवार को आईआईटी में शानदार सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। पेस ग्रुप के डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि इस वर्ष 45 में से 30 छात्रों ने आईआईटी एडवांस के लिए क्वालिफाई किया है। समारोह में उचाना के एसडीएम रमित यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ये बच्चे सिर्फ अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। इस दौरान 98 परसेंटाइल या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले हौनहार छात्र रुपेश,



झज्जर। मुख्यातिथि व शिक्षकों के साथ उपस्थित हौनहार विद्यार्थी।

रेयांश, नीव, महक, अभिषेक व वंशिका को 11 हजार रुपये व 97

रोहतक की एचएल सिटी में मिलेगा प्रदूषण मुक्त वातावरण

■ आईएमटी में 15 एकड़ में फेली टाउनशिप में होगी कृत्रिम वर्षा की विशेष व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज | बहादुरगढ़

प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी एचएल सिटी ने रोहतक के आईएमटी क्षेत्र में अपने नए प्रीमियम रिहायशी प्रोजेक्ट के साथ धमाकेदार दस्तक दी है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस इस टाउनशिप को लेकर शहर के प्रबुद्ध वर्ग, विशेषकर चिकित्सकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। रोहतक के महाराज पैलेस होटल में आयोजित एक विशेष डॉक्टर मीट के दौरान कई विशेषज्ञों ने एचएल सिटी में अपने सपनों के



बहादुरगढ़। रोहतक में हुई डॉक्टर मीट में राकेश जून का स्वागत करते प्रतिष्ठित नामारिक।

घर की बुकिंग करवाई। कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टरों ने कहा कि भागदौड़ भरी वर्तमान जीवनशैली में मानसिक सुकून, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। एचएल सिटी की टाउनशिप में पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के कड़े मानकों को देखते हुए उन्होंने यहां निवेश का निर्णय लिया है। एमडी राकेश जून ने समय पर उम्मीद से

कृत्रिम वर्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी

एचएल सिटी के प्रबंध निदेशक राकेश जून ने बताया कि 15 एकड़ में फेली टाउनशिप में प्रदूषण नियंत्रण के लिए आर्टिफिशियल रेन (कृत्रिम वर्षा) की विशेष व्यवस्था की जाएगी, ताकि निवासियों को हमेशा स्वच्छ और ताजी हवा मिल सके। यहां भी, फोर और फाइव बीएचके के प्रीमियम फिनिश प्लैट्स, 1 लाख स्वचालित फीट का विशाल क्लब हाउस, ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल, मल्टीपल बेडरूमिंग कोर्ट, क्रिकेट पिच, लॉन टेनिस कोर्ट और मिनी गोल्फ कोर्ट, 100 मीटर की वॉल बॉल्ट, साइकिल ट्रेक, स्काई वॉक और शांदावर लैंडस्केपिंग, शहर का सबसे बड़ा इनडोर जिम और ओपन जिम की सुविधा मिलेगी।

पेंटिंग प्रतियोगिता में माहिरा को प्रथम स्थान

■ मलेरिया पर पेंटिंग को लेकर विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज | झज्जर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व मलेरिया दिवस पर शहर के कुलदीप सिंह मेमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी सिविल सर्जन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर कुलदीप सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में मलेरिया दिवस



झज्जर। पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए डॉक्टर कुलदीप सिंह।

मनाया जा रहा है। हमें मलेरिया को मामूली बुखार नहीं समझना चाहिए, यह जानलेवा भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। डंड के साथ तेज बुखार, उल्टी आना मलेरिया के मुख्य लक्षणों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए अपने आसपास पानी

इकट्ठा न होने दें, अगर संभव हो तो पानी को ढककर रखें। हर रविवार को सूखा दिवस मनाएं, कूलर, फ्रिज, फूलदान, पुराने टायर को सप्ताह में एक बार जरूर साफ करें। छत पर पुराना सामान ना रखें, पूरी बाजू के कपड़े पहनें, जहां पर कई दिनों से पानी खड़ा हो उसमें मिट्टी भरवा दें या काला तेल डलवा दें। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच मलेरिया विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता भी कराई गई। प्रतियोगिता में माहिरा ने प्रथम, वंशिका ने द्वितीय व पलक ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को डॉक्टर कुलदीप सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया।



झज्जर। आर्कषक पोस्टरों के साथ प्रतिभागी विद्यार्थी।

पेंटिंग व ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों की मनमोहक चित्रकारी

हरिभूमि न्यूज, झज्जर - बीकेडी विरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहलवास में शनिवार को इंटर स्कूल पेंटिंग और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हमारी पृथ्वी विषय पर विद्यार्थियों ने मनमोहक चित्रकारी का परिचय दिया। प्रतियोगिता परिणामों में छठी से आठवीं कक्षा तक के समूह में छात्र प्रिया ने पहल, राखन व दूसरा व नवीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के समूह में नेहा पहले, प्रिंसी व सुश्रुत संयुक्त रूप से दूसरे और हिमांशी व पायल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। विद्यालय निदेशक जितेंद्र रोहिल्ला ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न क्रियाकलाप बच्चों के न केवल मनोरंजन के लिए बल्कि बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

परिवार की आर्थिक स्थिति को कमजोर करता है नशा न्यौला, अहरी व छबीली गांव के ग्रामीणों को शिविर में नशे के दुष्प्रभाव बताए

हरिभूमि न्यूज | झज्जर

शनिवार को पुलिस टीम द्वारा गांव अहरी, न्यौला और छबीली में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। एएसआई पवन कुमार ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक माहौल को भी प्रभावित करता है। विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड के मामलों के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने फर्जी कॉल, ओटीपी



झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम।

मांगने, लिंक भेजकर ठगी करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपाय बताए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई और साथ ही साथ आपातकालीन स्थिति में डायल 112 के महत्व के बारे में बताया।

एक महीने बाद कार चालक पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस वे पर आसोदा के पास हुई दुर्घटना के संबंध में एक महीने बाद केस दर्ज हो सका है। घायलों ने अपनी ही कार के चालक को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है। हादसा गत 25 मार्च की रात को हुआ था। इसमें सोनीपत के निवासी योगेश व साहिल घायल हो गए थे। घायल योगेश का कहना है कि वह किसी काम के सिलसिले में साथी साहिल के साथ जयपुर गया था। वापसी में टैक्सि बुक कराई। टैक्सि का चालक राहुल निवासी राजस्थान था। केएमपी पर वह गाड़ी तौर गति में चला रहा था। कई बार समझाने के बाद भी नहीं माना। जब यहां आसोदा के पास पहुंचे तो ओवरटेक करने के चक्कर में गाड़ी ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में हमें काफी चोट आई। हमें पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। तब से इलाज चल रहा था।

विशेष: अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुति: रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूँ कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसी संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूँ, उसमें खो जाती हूँ। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूँ। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूँ। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूँ। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूँ, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूँ। कभी महसूस करती हूँ कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊँ। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूँ। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूँ, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूँ। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यत्व का देवत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूँ, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूँ कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूँ। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हैं। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेच और स्ट्रेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला ईमान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कटेपेरी डांस-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को झुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करती हूँ और पीक पर पहुंच जाता हूँ, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूँ बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूँ क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूँ। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थैपेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूँ तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूँ। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूँ कि हर ईंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

खंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए? एक रोज गम्बर की शांतिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मुख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच कहेगा, 'तुम भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू ही कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गम्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनाल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका धर्म कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरायें लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस

था साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शांतिर हबीब केफ़ी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत

शांतिर अंतरात्मा गम्बर की

गम्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'



बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे। चौथे बहसबाज डकैत ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखा सकता है।' गम्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूँ कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड़े बदलते-बदलते

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एकस्ट्रू जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मोला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से



पुस्तक: काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), लेखक: हबीब केफ़ी, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: कोटिल्य बुक्स, दिल्ली

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!



न्यू ट्रेड

गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्ट्राइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।



भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वॉट्सएप वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, 'टुकटुक', 'कटिंग' भी 2-5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए। अन्य देशों में भी यह रूढ़ि पॉपुलैरिटी: चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजु' (माइक्रो ड्रामा) इंस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है।



वॉट्सएप वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था। बड़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केट: इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म से देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्कॉल' करता है, और हर स्कॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा हो सकता है। सिर्फ वॉट्सएप वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म की बड़ी भूमिका: भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वॉट्सएप माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी',

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंड: भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वॉट्सएप सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरों भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिथम यह तय कर रहा है कि क्या बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्कॉल किया जाता है। और जो स्कॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। * (लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास



सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेल्मेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहाँ है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? डेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं। दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सिडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टोपी ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेल्मेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिचलते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

गीत / कृष्ण बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा सबकी अपनी सीमाएं हैं, हर कोई रीता-रीता है कलने को सभी ग्रहाएं हैं। अतृप्त जिंदगी छुंछी-सी ऊपर से दिखती सजी-धजी गर पास बुलाकर बैठा लो तो लगती कितनी बुझी-बुझी भ्रम के सात में सभी यज्ञी भ्रम का पहरान बनाए हैं। पेट काट जो तन टंकती थी वही भरे पेट अब नंगी है नाच-नाचकर करे सभ्यता दुनिया यह रंग-बिरंगी है रंग-रोगन से पुते हुए सब भीतर-भीतर मुरझाए हैं। जब देह में मन अनुपस्थित हो औ' रूप गिरे केवल पीड़ा मेलों में भी तनखई हो औ' प्राण रीन हो हर क्रीड़ा तो बात समझनी क्या मुश्किल अपनी से भेद छिपाए हैं। कोई साथ कहां तक देगा सबकी अपनी सीमाएं हैं।

